थॉमस एडिसन

से आप क्या पूछना चाहेंगे ?

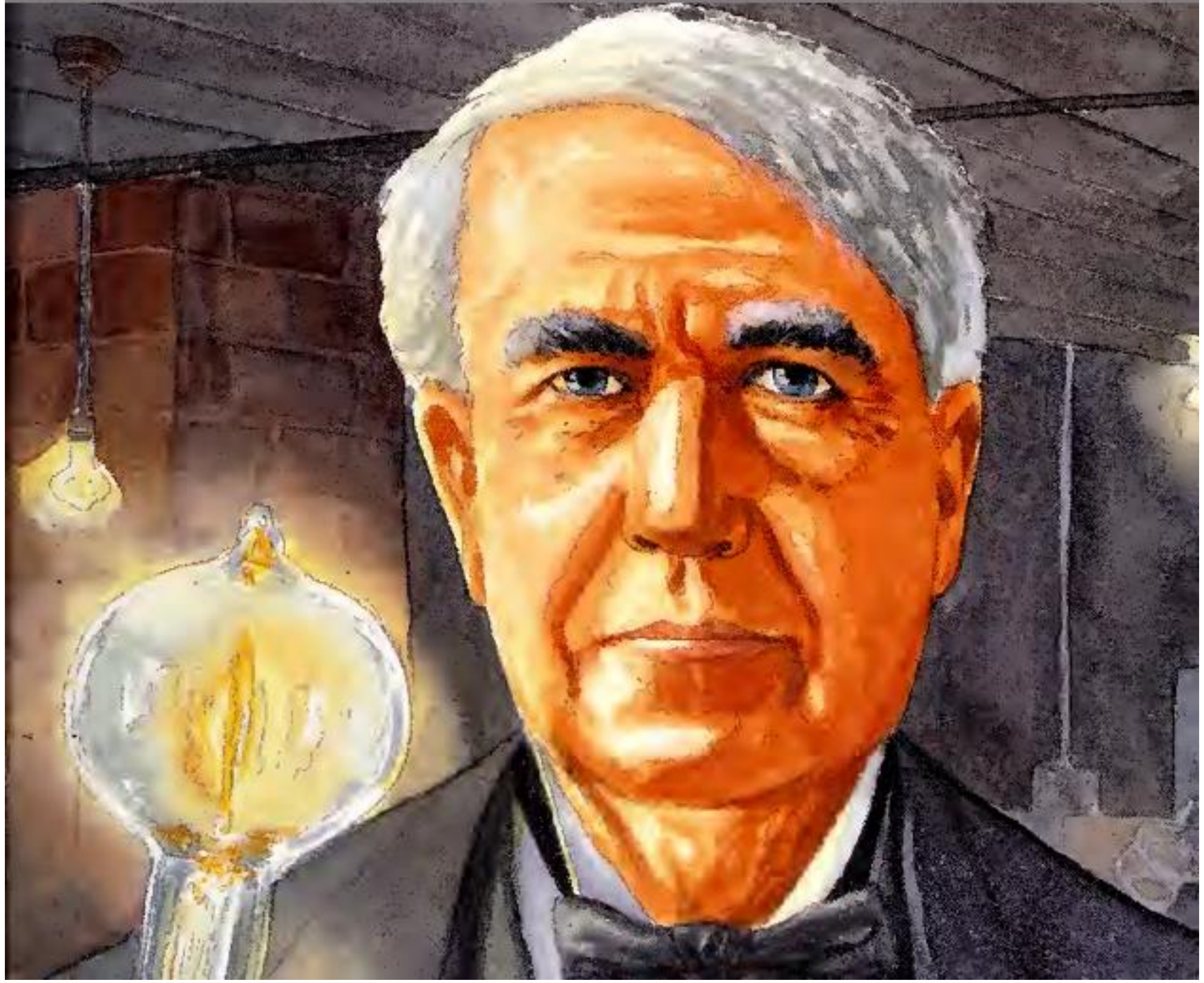

थॉमस एडिसन
से आप क्या पूछना चाहेंगे ?

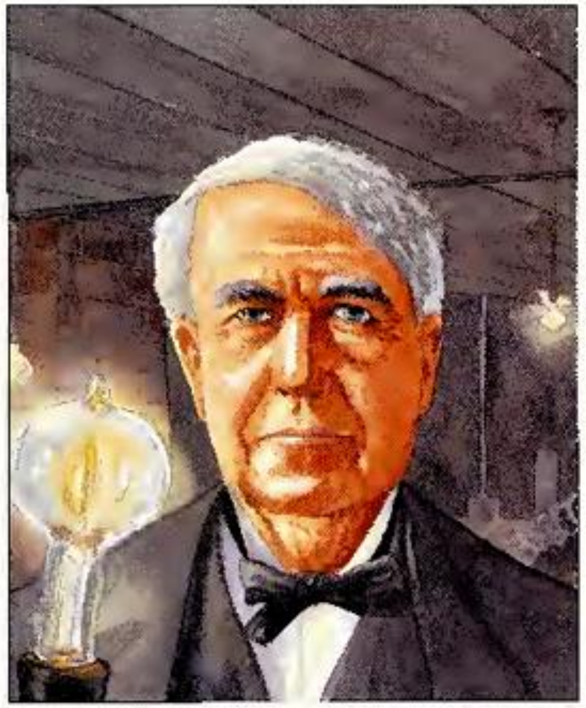

अनीता गनेरी

चित्रसज्जा : निक स्पेंडर

हिंदी : योगेश

अनुक्रमाणिका

आप क्या करते हैं ? ४

आपका जन्म कहाँ हुआ ? ६

क्या स्कूल में आपका प्रदर्शन अच्छा था ? ८

आपकी पहली नौकरी क्या थी ? १०

उसके बाद आपने क्या किया ? १२

आप एक आविष्कारक कैसे बने ? १४

आपने कहाँ काम किया ? १६

आपका सबसे महान आविष्कार कौन सा था ? १८

क्या उससे आपके जीवन में कुछ बदलाव आया ? २०

इसके अलावा आपने कौन कौन से आविष्कार किये ? २२

आपने अपने कार्य से अवकाश कब लिया ? २४

आज लोग थॉमस एडिसन को किस रूप में याद करते हैं ? २६

कुछ महत्वपूर्ण तारीखें। २८

शब्दावली ३०

विषय सूची ३२

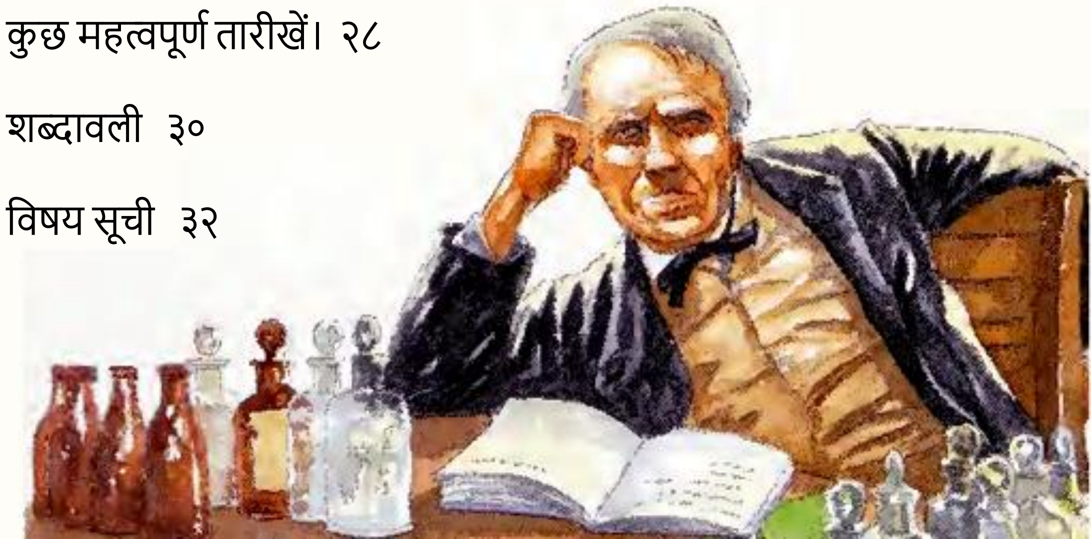

आप क्या करते हैं ?

" मैं एक आविष्कारक हूँ। मैंने फोनोग्राफ और बिजली के बल्ब का अविष्कार किया है।"

बिजली के बल्ब के अविष्कार से पहले अपने घरों में रौशनी करने के लिए लोग मोम-बत्तियों, पेट्रोमैक्स, या तेल के दियों का प्रयोग करते थे। इनका उपयोग करना काफीअसुविधाजनक तो था ही, इनसे प्रकाश भी बहुत कम मिलता था। आज के दिन आप घर के किसी भी कमरे में जाएँ, और महज़ एक स्विच दबा दें, बस हो गया प्रकाश। इससे आसान भला और क्या हो सकता है ?

बिजली के बल्ब की ईजाद आविष्कारक थॉमस एडिसन ने लगभग १२० वर्ष पूर्व की थी। १८७९ में, लगभग एक वर्ष के कठिन परिश्रम के बाद वह बिजली का ऐसा बल्ब बनाने में सफल हुए, जो लगभग १३ घंटे तक भरपूर प्रकाश देता था, जो कि उन दिनों के लिए किसी आश्चर्य से कम नहीं था। उनके इस आविष्कार को शीघ्र ही आम जनता ने अपना लिया। एडिसन ने बिजली का उत्पादन करने और उसे लोगों के घरों तक पहुँचाने का तरीका भी खोजा।

यद्यपि एडिसन मुख्य रूप से बिजली बल्ब के लिए ही जग-प्रसिद्ध हैं, लेकिन यह उनके अकेला आविष्कार नहीं था। अपने लम्बे कार्यकाल में उन्होंने एक हज़ार से भी अधिक पेटेंटों के लिए आवेदन किया। इनमें शामिल हैं, बोलने वाली गुड़िया, एक शुरूआती ग्रामोफ़ोन, और चलचित्र कैमरा। आज एडिसन को विश्व के महानतम आविष्कारकों में से एक की तरह याद किया जाता है।

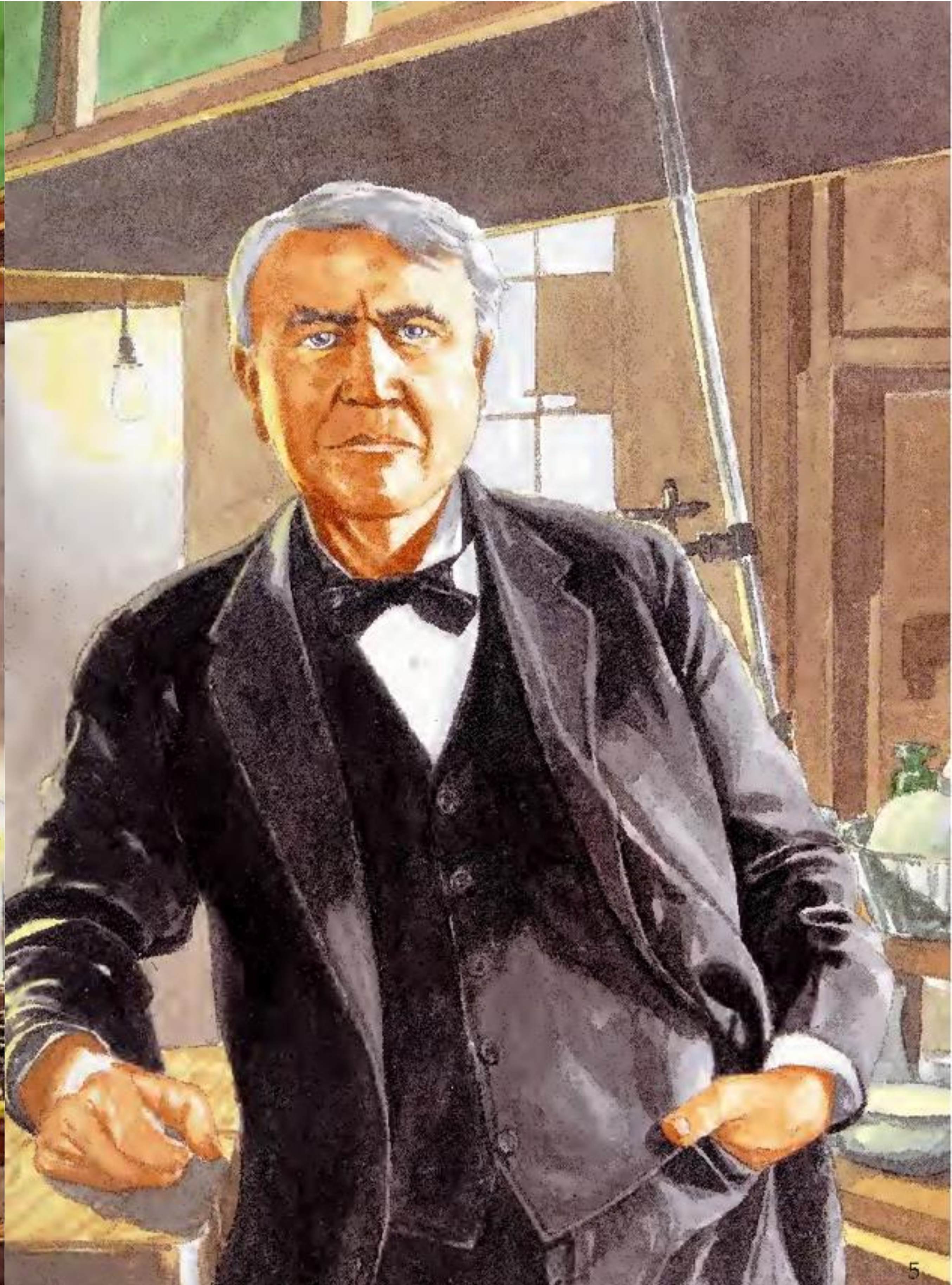

आपका जन्म कहा हुआ ?

"मेरा जन्म ओहायो में हुआ था"

थॉमस एडिसन का जन्म ११ फरवरी १८४७ में ओहायो के एक छोटे से नगर मिलान में हुआ था। उनका मध्य नाम "अल्वा" था, और उसके परिवार के लोग उसे एल कह कर पुकारते थे। उसके माता-पिता सैमुएल और नैन्सी के कुल सात बच्चे थे, लेकिन उनमें से तीन की बहुत कम उम्र में ही मृत्यु हो गई। जब थॉमस का जन्म हुआ, उसके भाई-बहन किशोरावस्था के हो गए थे।

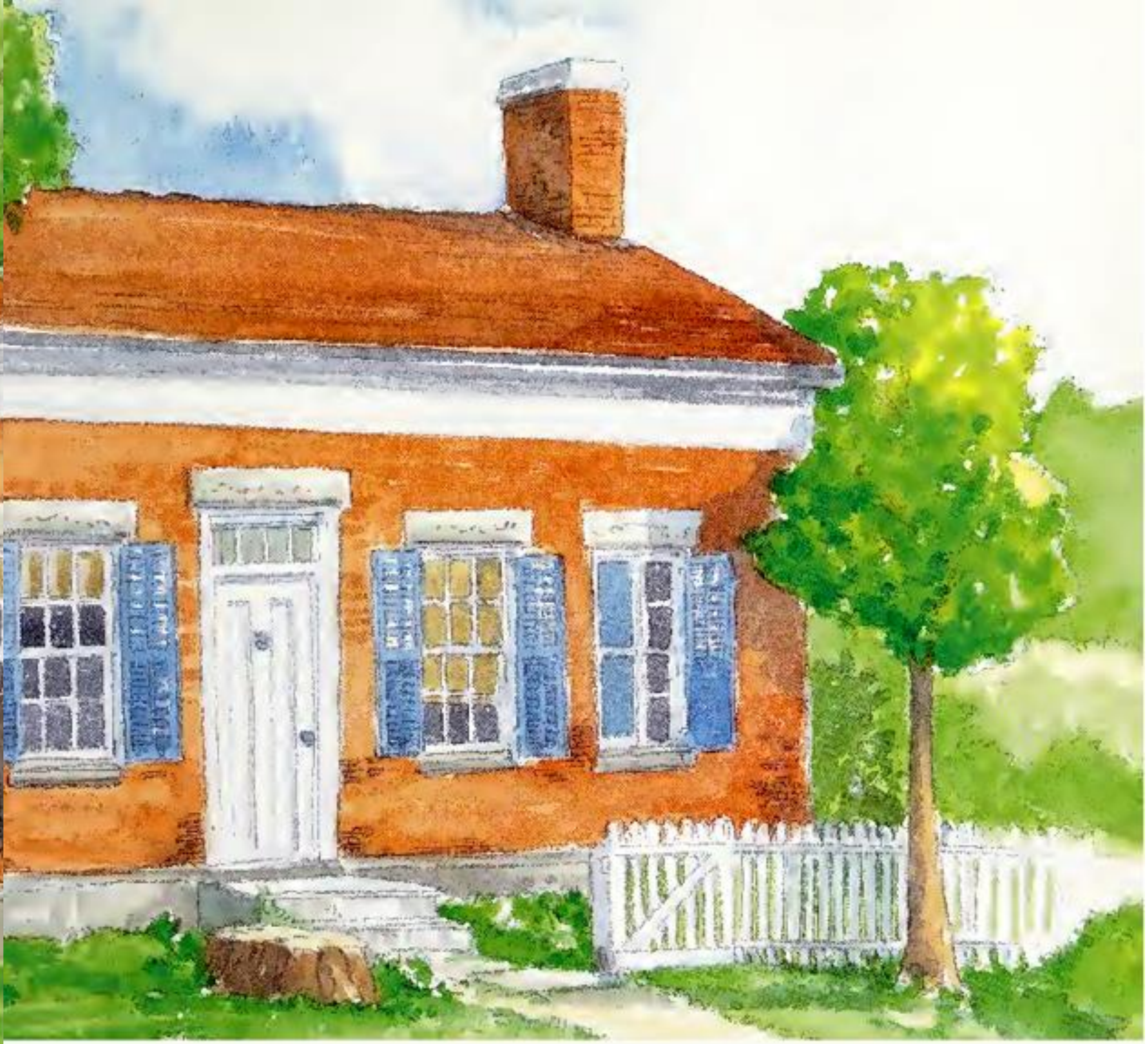

थॉमस के पिता का लकड़ी का व्यापार था। लेकिन उनका यह व्यापार असफल हो गया, और १८५४ में थॉमस और उसका परिवार मिशिगन के पोर्ट ह्यूरोन शहर के एक घर में जाकर बस गए। थॉमस तब सात वर्ष का था। सैमुएल को वहां की सेना छावनी में एक बढ़ई का काम मिल गया, और साथ ही उसे लाइट हाउस की देखभाल भी करनी होती थी।

इन्हीं दिनों थॉमस को स्कारलेट फीवर नाम की बीमारी हो गई, जिससे उसकी सुनने की शक्ति को काफी नुकसान पहुंचा। जैसे उसकी उम्र बढ़ी, यह नुकसान बढ़ता ही गया।

क्या स्कूल में आपका प्रदर्शन अच्छा रहा ?

"मैं केवल तीन महीने ही स्कूल गया, उसके बाद मेरी माँ ने ही मुझे पढ़ाया-लिखाया।"

पोर्ट ह्यूरोन पहुँचने के कुछ समय बाद ही थॉमस को एक स्थानीय स्कूल में भेजा गया। वह कुछ महीने ही वहां रुक पाया। थॉमस एक बहुत ही जिज्ञासु और चतुर बालक था, लेकिन श्रवण-शक्ति के ह्रास और उसके प्रश्न पूछने के लहज़े के कारण उसके लिए परेशानियां खड़ी हो गईं। उसे पाठ्यक्रम बिलकुल रुचिकर नहीं लगा, और कक्षा में उसका स्थान सबसे नीचे आता था। एक दिन उसने अपने अध्यापक को यह कहते सुन लिया कि थॉमस में कुछ तो गड़बड़ी है। गुस्से में आग-बबूला, वह स्कूल छोड़ कर ऐसा भागा कि फिर कभी वापस नहीं गया।

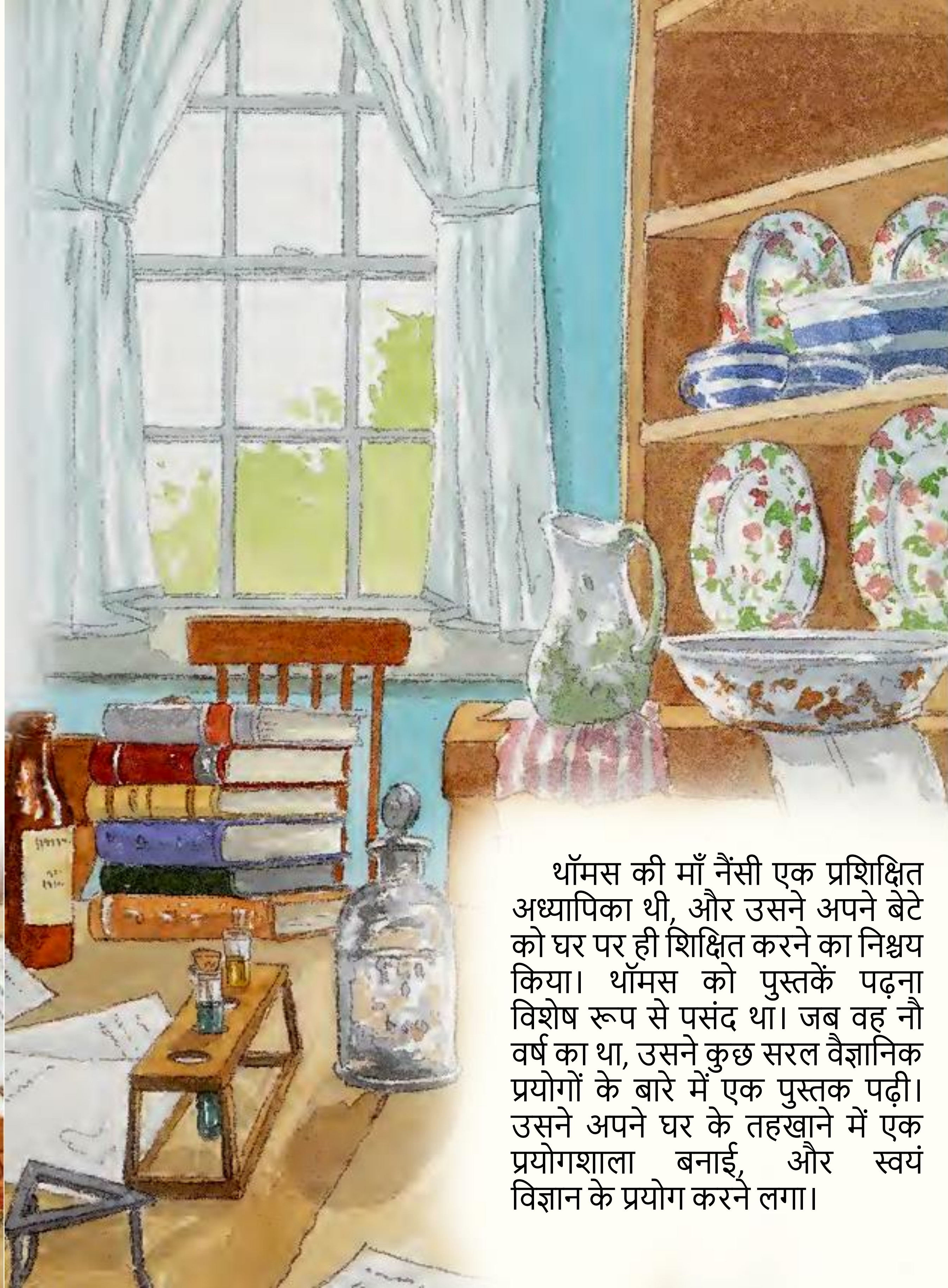

थॉमस की माँ नैंसी एक प्रशिक्षित अध्यापिका थी, और उसने अपने बेटे को घर पर ही शिक्षित करने का निश्चय किया। थॉमस को पुस्तकें पढ़ना विशेष रूप से पसंद था। जब वह नौ वर्ष का था, उसने कुछ सरल वैज्ञानिक प्रयोगों के बारे में एक पुस्तक पढ़ी। उसने अपने घर के तहखाने में एक प्रयोगशाला बनाई, और स्वयं विज्ञान के प्रयोग करने लगा।

आपका पहला व्यवसाय क्या था?

"मैं रेलगाड़ियों में अख़बार बेचने का काम करता था।"

१८५९ में, जब थॉमस १२ वर्ष का था, उसके नगर से रेलगाड़ी चलना प्रारम्भ हुईं। ग्रैंड ट्रंक रेलरोड कंपनी ने पोर्ट ह्यूरोन से डेट्रायट तक एक नई रेल सेवा प्रारम्भ की। नन्हे थॉमस ने स्कूल के दिनों को पीछे छोड़ कर अपने लिए एक रोजगार ढूंढ लिया। वह इन रेलगाड़ियों पर अख़बार बेचने का काम करने लगा। जल्दी ही उसने मिठाइयां और जलपान की अन्य वस्तुएं बेच कर कुछ अतिरिक्त पैसे कमाना भी शुरू कर दिया।

सुबह तड़के ही थॉमस की दिनचर्या प्रारम्भ हो जाती थी, जब वह डेट्रायट जाने वाली पहली ट्रेन पकड़ता। वह रात साढ़े नौ बजे तक लौट कर पोर्ट ह्यूरोन आ पाता। डेट्रायट में वह अपना समय लाइब्रेरी में पुस्तकें पढ़ कर बिताता। बाद में उसने कहा था, कि यह उसके जीवन का सबसे सुखी समय था। अपनी कमाई के पैसों का उपयोग वह विज्ञान की पुस्तकें खरीदने, और रेल के एक डब्बे में अपनी प्रयोगशाला स्थापित करने में करता, ताकि विज्ञान में अपनी रूचि को और विकसित कर सके।

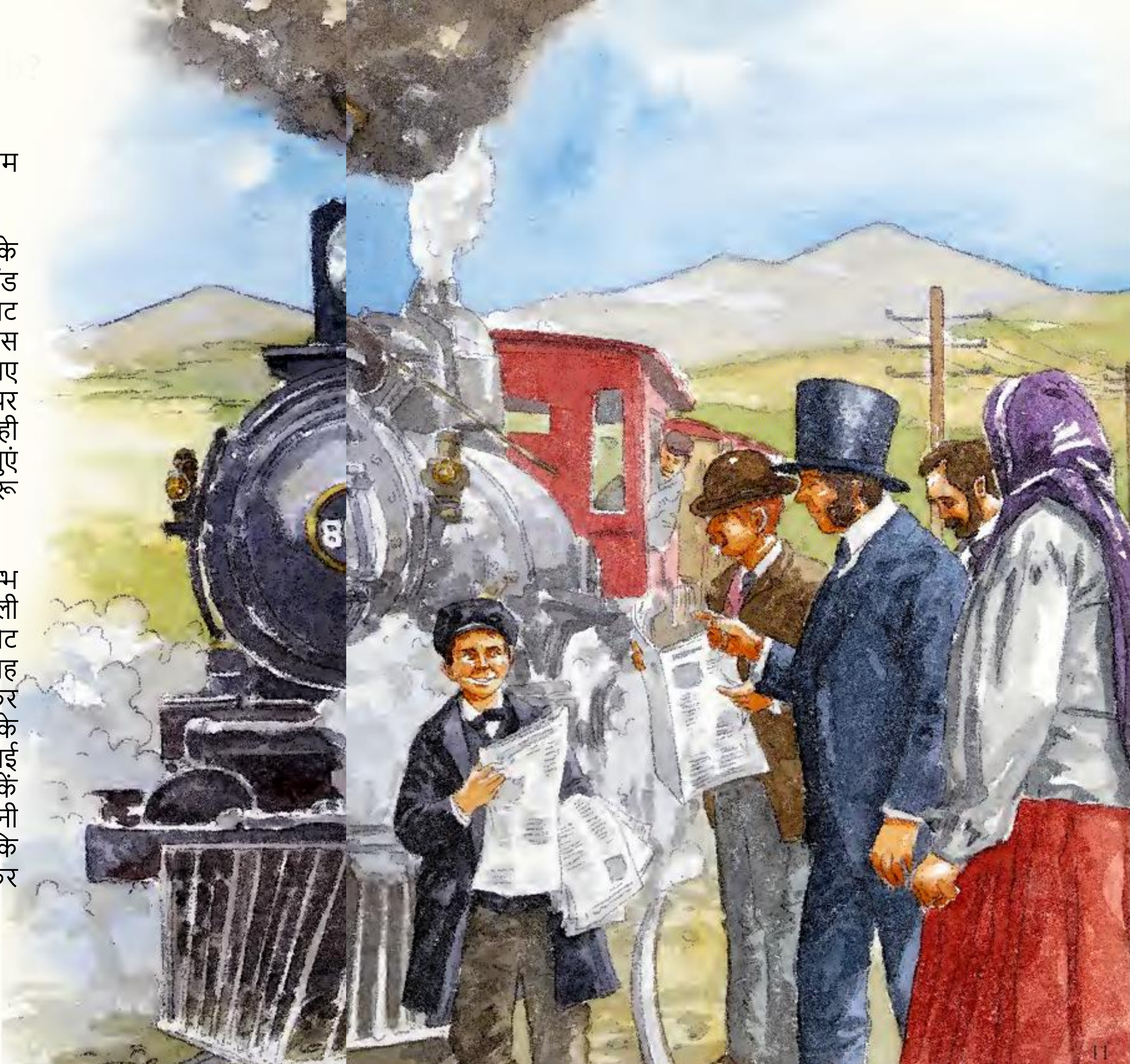

उसके बाद आपने क्या किया?

"मैंने एक टेलीग्राफ ऑपरेटर का काम किया।"

१८४४ में एक अन्य अमेरिकन, सैमुएल मोर्स, ने विद्‌युत् टेलीग्राफ का अविष्कार किया था। मोर्स कोड में बिंदुओं और रेखाओं की एक श्रंखला का प्रयोग सन्देश भेजने के लिए किया जाता है। एक तार के माध्यम से बिजली के छोटे बड़े कम्पनों को भेजा जाता है, जो दूसरे सिरे पर "बीप-बीप" की आवाज़ों के रूप में सुनाई देते हैं।

उधर बैठा ऑपरेटर इस मोर्स कोड को समझ कर उसका वापस शब्दों में अनुवाद कर देता था। इतिहास में पहली बार अब लम्बी दूरी तक संदेशों को तुरंत और आसानी से भेजा जा सकता था।

थॉमस टेलीग्राफ की कार्य-प्रणाली से मंत्रमुग्ध सा था। यहाँ तक कि उसने अपने घर पर भी अपना टेलीग्राफ बना लिया था। फिर १८६२ में १६ वर्ष की अवस्था में वह एक टेलीग्राफ ऑपरेटर बन गया। उसे पहला काम पोर्ट ह्यूरोन के टेलीग्राफ कार्यालय में मिला। फिर छह वर्ष तक उसने एक घुमन्तु टेलीग्राफर की तरह काम किया।

यानि वह एक से दूसरी जगह घूमता रहता, और जो भी उसे सबसे अधिक पैसे देने को तैयार होता, वह उसका काम करता। थॉमस को रात्रि की पाली में काम करना अधिक पसंद था, ताकि वह दिन में अपना विज्ञान का काम जारी रख सके। लेकिन अक्सर उसके प्रयोग उसके लिए मुसीबत खड़ी कर देते थे। एक बार तो उसके कारण एक टेलीग्राफ ऑफिस में विस्फोट ही हो गया। वह कभी किसी काम पर अधिक दिन नहीं टिक सका।

आप एक आविष्कारक कैसे बने ?

"मैंने प्रसिद्ध वैज्ञानिक माइकल फैराडे की लिखी एक पुस्तक पढ़ी "

१८६८ में थॉमस बोस्टन चला गया। उन दिनों अमेरिका के सर्वश्रेष्ठ वैज्ञानिकों और आविष्कारकों में से अधिकांश वहीं रहते और अपना काम करते थे। वेस्टर्न यूनियन टेलीग्राफ कंपनी में किये काम से उसने जो पैसा कमाया था, उससे उसने एक पुस्तक खरीदी, जिसका शीर्षक था, "विद्युत् सम्बन्धी प्रयोग एवं शोध"। इस पुस्तक के लेखक थे अँगरेज़ वैज्ञानिक माइकल फैराडे। इस पुस्तक को पढ़ने के बाद थॉमस की एक आविष्कारक बनने की इच्छा और तीव्र हो गई।

कुछ माह बाद थॉमस ने अपनी नौकरी छोड़ दी। वह अपने वैज्ञानिक प्रयोगों पर अधिक समय बिताना चाहता था। १८६९ में उसे अपने पहले आविष्कार के लिए पेटेंट मिल गया। यह आविष्कार था बिजली से चलने वाली मतगणना मशीन। लेकिन अपने इस आविष्कार के लिए उसे कोई खरीदार नहीं मिला। परन्तु अपने अगले आविष्कार को लेकर वह अधिक भाग्यशाली सिद्ध हुआ। इस मशीन का नाम था "स्टॉक टिकर", जो कि टेलीग्राफ पर आधारित था। इसका उपयोग शेयर बाजार में शेयरों के दामों को एक से दूसरे कार्यालय भेजने के लिए किया जाता था।

स्टॉक टिकर से थॉमस को जो आय मिली, उससे उसने न्यूआर्क, न्यू जर्सी में एक फैक्ट्री में एक कार्यशाला स्थापित कर ली। १९७१ में उसने उसी फैक्ट्री में काम करने वाली एक लड़की मैरी स्टिलवेल से विवाह कर लिया।

आपने अपना कार्य कहाँ किया ?

"मैंने अपने आविष्कारों पर कार्य करने के लिए मेनलो पार्क, न्यू जर्सी में एक फैक्ट्री की स्थापना की।"

पांच वर्ष बाद १८७६ में थॉमस ने फिर अपनी कार्यस्थली बदली। उसने मेनलो पार्क नाम के एक गांव में कुछ ज़मीन ख़रीदी, और वहां एक नई और बहुत विशाल कार्यशाला और प्रयोगशाला की स्थापना की। उसने इसका नाम रखा "इन्वेंशंस फैक्टरी" यानि आविष्कारों का कारखाना। वह चाहता था कि यह एक ऐसी जगह बने जो आविष्कारों पर कार्य करने के लिए सर्वथा उपयुक्त हो।

अपने आविष्कारों से सम्बंधित विचारों को मूर्त रूप देने के लिए उसने अनेक वैज्ञानिकों, इंजीनियरों व अन्य कर्मचारियों को भर्ती किया। उसने बहुत कठिन परिश्रम किया। कभी-कभी तो वह कई-कई दिन तक सोता भी नहीं था। और वह अपने कर्मचारियों से भी ऐसे ही कठिन परिश्रम की अपेक्षा रखता था। एक बार तो उसने उन्हें फैक्टरी में बंद कर दिया, और तब तक बंद रखा जब तक काम पूरा नहीं हो गया।

१८७७ में थॉमस के मन में अपने सबसे प्रसिद्ध आविष्कार की परिकल्पना ने जन्म लिया। उसने "फोनोग्राफ" नाम की एक मशीन का निर्माण किया, जो इंसानों की आवाज़ को रिकॉर्ड कर सकती थी।

अब इसका प्रचलित नाम "रिकॉर्ड प्लेयर" है। ऐसा इतिहास में पहली बार हुआ था। इसमें सबसे पहली रिकॉर्डिंग जो की गई, वह थी छोटे बच्चों में अत्यंत लोकप्रिय कविता "मेरी हैड ए लिटिल लैम्ब" की।

आपका सबसे महान आविष्कार कौन सा था?

"फोनोग्राफ के बाद मैंने बिजली के बल्ब का आविष्कार किया। "

१८७० में अधिकांश घरों में प्रकाश करने का साधन या तो तेल का दिया था, या फिर गैस की लालटेन। बिजली से प्रकाश देने वाला एकमात्र साधन था "आर्क लाइट", लेकिन यह बहुत बड़ी होती थीं, और इनकी रौशनी आँखों को चुंधियाने वाली होती थी। इसके अलावा इनसे हानिकारक धुआं भी निकलता था।

थॉमस एक ऐसे प्रकाश-स्रोत का आविष्कार करना चाहता था जो सस्ता, इस्तेमाल करने में आसान, और स्वास्थ्य की दृष्टि से पूर्णतः सुरक्षित हो। उसने इसका नाम रखा था "ग्लो बल्ब" यानि रौशनी देने वाला बल्ब।

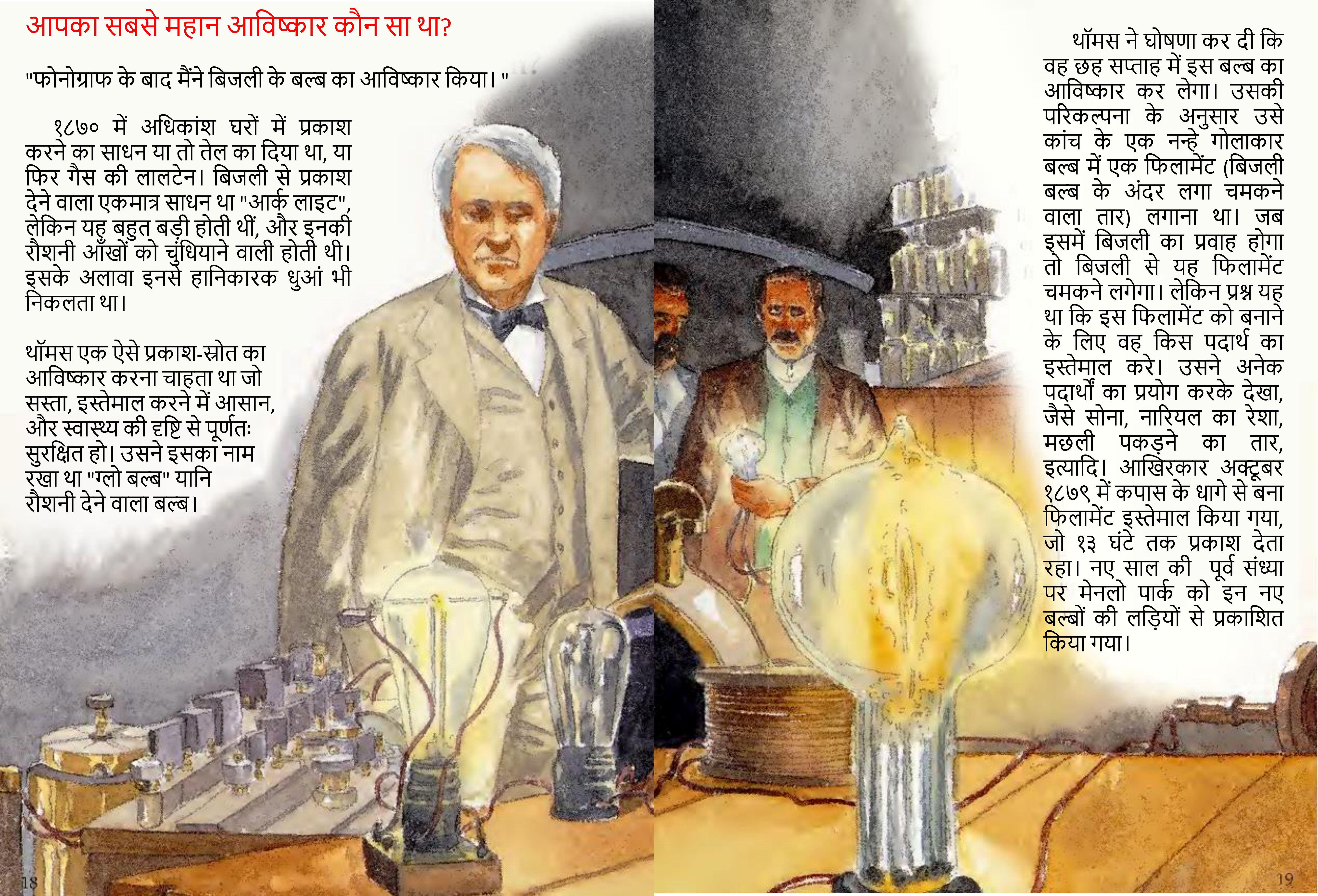

थॉमस ने घोषणा कर दी कि वह छह सप्ताह में इस बल्ब का आविष्कार कर लेगा। उसकी परिकल्पना के अनुसार उसे कांच के एक नन्हे गोलाकार बल्ब में एक फिलामेंट (बिजली बल्ब के अंदर लगा चमकने वाला तार) लगाना था। जब इसमें बिजली का प्रवाह होगा तो बिजली से यह फिलामेंट चमकने लगेगा। लेकिन प्रश्न यह था कि इस फिलामेंट को बनाने के लिए वह किस पदार्थ का इस्तेमाल करे। उसने अनेक पदार्थों का प्रयोग करके देखा, जैसे सोना, नारियल का रेशा, मछली पकड़ने का तार, इत्यादि। आखिरकार अक्टूबर १८७९ में कपास के धागे से बना फिलामेंट इस्तेमाल किया गया, जो १३ घंटे तक प्रकाश देता रहा। नए साल की पूर्व संध्या पर मेनलो पार्क को इन नए बल्बों की लड़ियों से प्रकाशित किया गया।

क्या इससे आपके जीवन में कोई बदलाव आया ?

"हाँ, इसके बाद मैं बहुत प्रसिद्ध और धनवान हो गया।"

थॉमस चाहता था कि उसके बल्ब का इस्तेमाल सभी घरों, कार्यालयों और फैक्टरियों में हो, लेकिन इसमें एक अड़चन थी। इसके लिए आवश्यक था कि बिजली बनाने और उसे घर-घर पहुँचाने की कोई व्यवस्था मौजूद हो। तो थॉमस ने इसका भी आविष्कार किया। सितम्बर १८८२ में न्यूयॉर्क में पर्ल स्ट्रीट बिजलीघर ने काम करना शुरू कर दिया। यह विश्व का पहला बिजलीघर था।

बिजली का यह व्यापार अत्यंत सफल रहा। थॉमस ने अमेरिका और यूरोप में अपनी अनेकों बिजली कंपनियां स्थापित कर लीं। इससे वह अत्यंत धनी हो गया। लेकिन उसमें इस धन की ठीक से देख-रेख करने की प्रतिभा नहीं थी। उसका धन फ़िज़ूल ही इधर-उधर खर्च होता रहता था।

फोनोग्राफ और बिजली के बल्ब के कारण थॉमस का सारी दुनिया में नाम हो गया। प्रसिद्ध वैज्ञानिकों, राजनेताओं, और व्यापारियों से उसकी मित्रता हो गई। अमेरिका में तो लोग उसे "जादूगर" बुलाने लगे, और उसे एक महा-नायक समझा जाता था। लेकिन १८८४ में एक त्रासदी हुई, और उसकी पत्नी मैरी का टाइफाइड की बीमारी से देहांत हो गया।

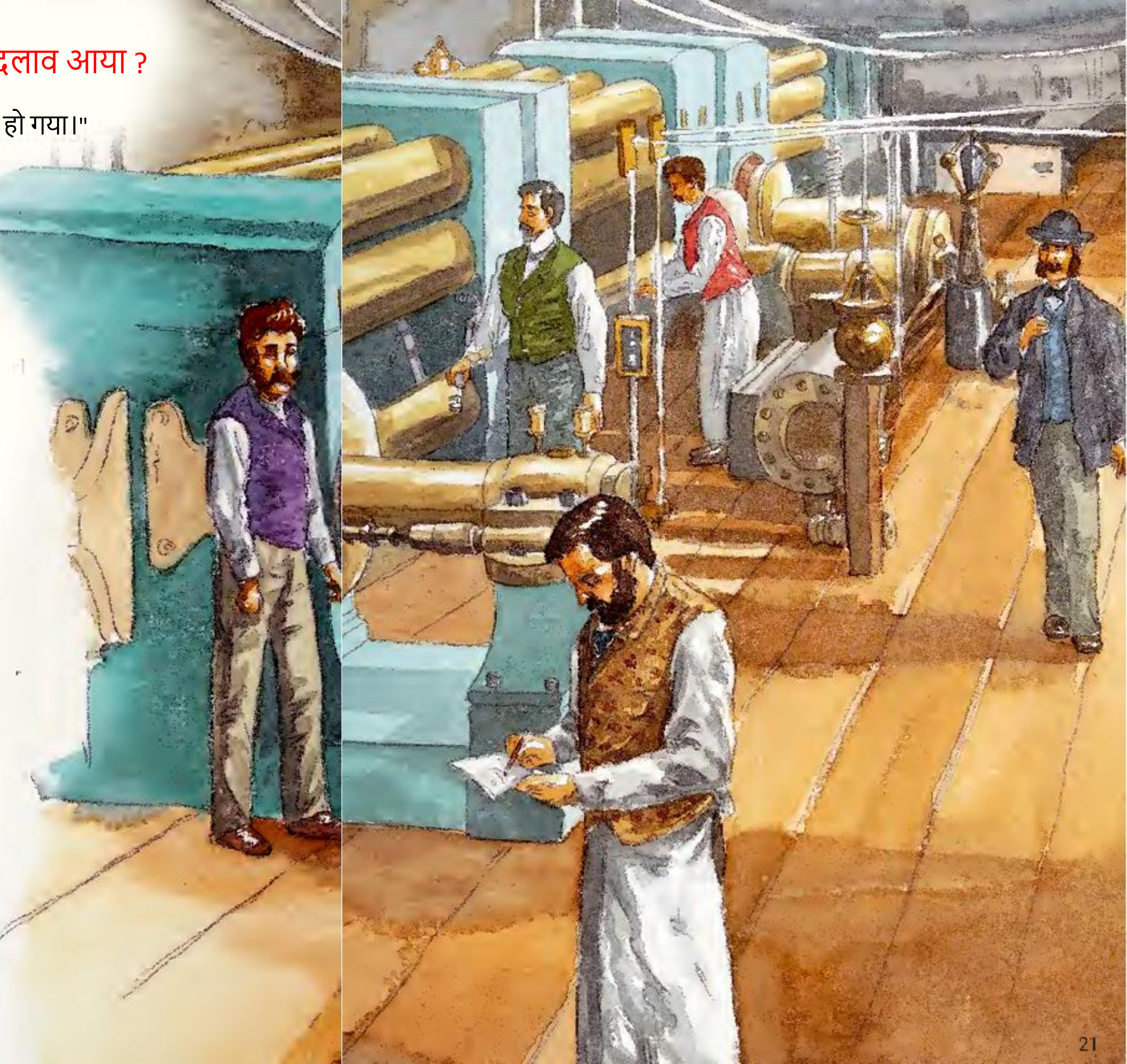

क्या आपने कुछ अन्य आविष्कार भी किये ?

"मैंने अनेक आविष्कार किये, जिनमें एक सिने कैमरा भी शामिल है।"

मैरी के देहांत के दो वर्ष बाद थॉमस ने फिर से विवाह किया। उसकी नई पत्नी का नाम था मीना मिलर। उसने कोशिश कि कि थॉमस बहुत लम्बा समय अपने काम में न बिता कर अपने परिवार के साथ अधिक समय व्यतीत करे। लेकिन अपने इस प्रयत्न में वह सफल नहीं हुई। १८८७ में थॉमस ने वेस्ट ऑरेंज, न्यू जर्सी में एक नई फ़ैक्टरी की स्थापना की। यह फ़ैक्टरी मेनलो पार्क की फ़ैक्टरी से भी दस गुना बड़ी थी।

इसके बाद सैकड़ों नए आविष्कारों की जैसे झड़ी सी लग गई, जिनमें शामिल थी एक बोलने वाली गुड़िया, जिसके अंदर एक सूक्ष्म फोनोग्राफ लगा था जो बच्चों की कवितायेँ (nursery rhymes) सुनाता था। थॉमस ने कायनेटोग्राफ और कायनेटोस्कोप नामक दो मशीनों का आविष्कार भी किया। कायनेटोग्राफ एक प्रकार से शुरुआती सिने-कैमरा था, और कायनेटोस्कोप का प्रयोग इन फिल्मों को देखने के लिए किया जाता था।

लेकिन थॉमस के सभी आविष्कार सफल नहीं हुए। एक खदान प्रोजेक्ट में उसका बहुत पैसा नष्ट हो गया। उसके अलावा सीमेंट के सस्ते घर, जिनमें फर्नीचर भी सीमेंट का बना हो, बनाने की उसकी परिकल्पना भी बिलकुल सफल नहीं हुई। लेकिन थॉमस ने हिम्मत नहीं हारी। उसकी पत्नी कहती थी कि वह सदा कुछ न कुछ नए आविष्कार ईजाद करता ही रहता था, यहाँ तक कि अपने सपनों में भी।

आप अपने कार्य से कब निवृत्त हुए ?

"वास्तव में मैंने कभी भी अपना काम नहीं छोड़ा।
मैं सदा अथक परिश्रम करता ही रहा।"

थॉमस ने सारे जीवन प्रतिदिन लम्बे घंटों तक कार्य किया। उसका मानना था कि प्रत्येक सफलता के पीछे अन्तः-प्रेरणा केवल १ प्रतिशत होती है, और कड़ी मेहनत ९९ प्रतिशत। अक्सर वह रात-रात भर काम करता था, और फिर दिन में सोता था। और कभी कभी तो वह अपने शयन कक्ष में न जा कर अपनी काम करने की मेज़ पर ही सो जाता था।

अपनी प्रयोगशाला में घंटो-घंटों काम करने के बावजूद थॉमस का स्वास्थ्य हमेशा बहुत अच्छा रहा। लेकिन १९२९ में, बिजली के बल्ब की ५०वीं जयंती के एक समारोह में भाग लेने के बाद उसका स्वास्थ्य बिगड़ने लगा। १८ अक्टूबर १९३१ को थॉमस एडिसन का देहांत हो गया। तब उसकी आयु ८४ वर्ष की थी। मृत्यु के तीन दिन बाद उसकी वेस्ट ऑरेंज प्रयोगशाला के निकट एक पहाड़ी के पास उसे दफना दिया गया। उस दिन सायंकाल पूरे अमेरिका में लोगों ने एक मिनट के लिए अपने घरों की बत्तियां बंद करके उसके प्रति अपना सम्मान प्रकट किया।

आज हम थॉमस एडिसन को किस प्रकार याद करते हैं ?

अपने जीवन काल में थॉमस एडिसन ने १०९३ पेटेंट अर्जित किये, जो आज भी किसी आविष्कारक के लिए एक विश्व-कीर्तिमान है। इस जादूगर का मस्तिष्क सदा नए आविष्कारों के विचारों से लबालब रहता था। फोनोग्राफ, सिने-कैमरा और प्रक्षेपक, कृत्रिम रबर, वैक्स पेपर इत्यादि, ये उसके प्रमुख आविष्कारों में शामिल हैं।

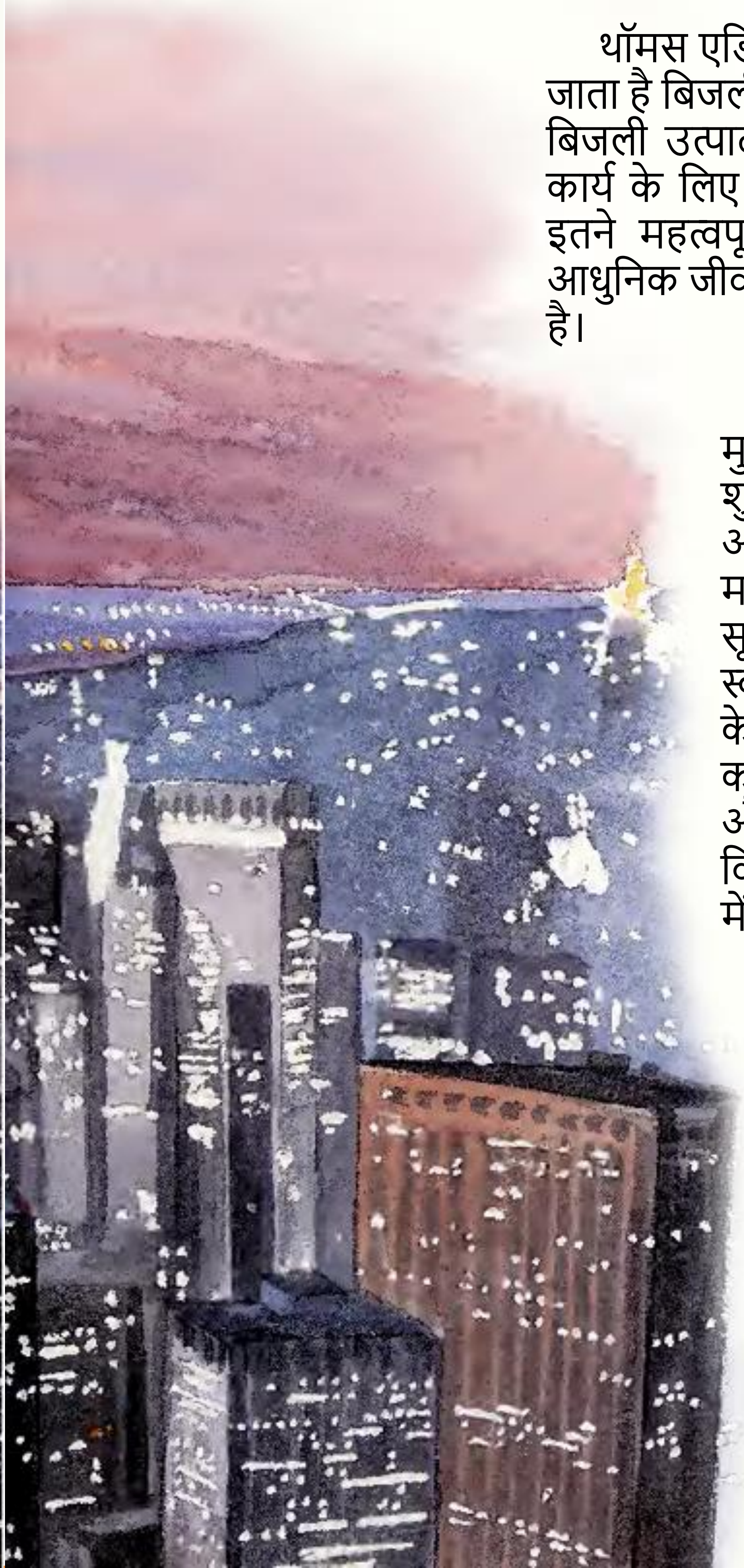

थॉमस एडिसन को सर्वाधिक याद किया जाता है बिजली के बल्ब के अविष्कार, और बिजली उत्पादन के लिए किये गए उनके कार्य के लिए। ये दोनों ही आज जीवन के इतने महत्वपूर्ण अंग हैं कि इसके बिना आधुनिक जीवन की कल्पना करना मुश्किल है।

पोर्ट ह्यूरोन में एक मुश्किलों भरे बचपन से शुरुआत करके थॉमस अल्वा एडिसन विश्व के महानतम आविष्कारकों की सूची में शामिल हो गए। उनकी स्कूली शिक्षा न के बराबर होने के बावजूद उन्होंने अपने कठिन परिश्रम के बल पर यश और धन अर्जित किया, और विश्व में महत्वपूर्ण बदलाव लाने में सफल हुए।

कुछ महत्वपूर्ण तारीखें

१८४७ थॉमस अल्वा एडिसन का मिलान ओहायो में जन्म।

१८५४ एडिसन परिवार का पोर्ट ह्यूरोन, मिशिगन में आगमन।

१८५५ थॉमस तीन माह के लिए स्कूल गया, लेकिन उसके बाद उसकी माँ ने उसे घर पर ही पढ़ाया।

१८५९ थॉमस का रेलगाड़ी में अख़बार बेचना।

१८६३ थॉमस का टेलीग्राफ ऑपरेटर बनना। उसको घुमन्तू ऑपरेटर कहा जाता था, क्योंकि वह लगातार एक काम छोड़ कर दूसरा पकड़ता रहता था।

१८६८ थॉमस का बॉस्टन आगमन। उसे वेस्टर्न यूनियन टेलीग्राफ कंपनी में नौकरी मिली, और उसने आविष्कार करने का काम प्रारम्भ किया। बिजली-चालित वोट गिनने की मशीन के लिए उसका पहला पेटेंट आवेदन।

१८६९ स्टॉक टिकर के लिए दूसरा पेटेंट आवेदन। उसका न्यू यॉर्क आगमन, और टेलीग्राफ इंजीनियर फ्रेंक्लिन पोप के साथ मिलकर व्यापार शुरू करना।

१८७१ थॉमस द्वारा न्यूआर्क, न्यू जर्सी में एक वर्कशॉप की स्थापना। क्रिसमस के दिन उसका मेरी स्टिलवेल से विवाह।

१८७६ थॉमस ने अपना वर्कशॉप मेनलो पार्क में स्थानांतरित किया, और उसका नाम रखा आविष्कारों की फ़ैक्टरी।

१८७७ हाल ही में अविष्कार किये गए टेलीफोन में थॉमस द्वारा सुधारों का कार्य शुरू। दिसंबर में उसके द्वारा फोनोग्राफ का आविष्कार, और इतिहास में पहली बार ध्वनि की रिकॉर्डिंग करके उसका पुनः सुनाया जाना।

१८७८ थॉमस द्वारा बिजली बल्ब पर कार्य प्रारम्भ, और आम जनता के लिए बिजली आपूर्ति कंपनी का विकास।

१८७९ अक्टूबर में थॉमस ने बिजली का बल्ब बनाने में सफलता हासिल की, यह बल्ब १३ घंटे तक जला। ब्रिटैन में आविष्कारक जोसफ स्वान द्वारा भी बिजली बल्ब की संरचना पर कार्य।

१८८१ मेनलो पार्क छोड़ कर थॉमस का पुनः न्यूयॉर्क में आगमन।

१८८४ थॉमस की पत्नी मेरी का देहांत।

१८८६ मीना मिलर से थॉमस का पुनर्विवाह। उनके द्वारा वेस्ट ऑरेंज, न्यू जर्सी में घर बसाना, जहाँ थॉमस ने एक नई वर्कशॉप और प्रयोगशाला की स्थापना की।

१८८८ थॉमस द्वारा खदानों से कच्चे लोहे की खुदाई की तकनीक पर कार्य। लेकिन यह एक महँगा और असफल प्रयास साबित हुआ।

१८९१ थॉमस द्वारा एक और आविष्कार, काइनेटोस्कोप, के लिए पेटेंट हासिल।

१९१२ थॉमस द्वारा फोर्ड कंपनी की मॉडल-टी कार में सुधारों के प्रयासों की शुरुआत। वह और हेनरी फोर्ड घनिष्ट मित्र बने।

१९१४-१९१८ प्रथम विश्व युद्ध में थॉमस द्वारा अमेरिकी नौसेना के लिए वैज्ञानिक परियोजनाओं पर कार्य। उसके द्वारा एक टारपीडो-सूचक यंत्र, पानी के अंदर काम करने वाला टेलीफोन, और एक पनडुब्बी-मारक यंत्र का विकास।

१९२७ थॉमस द्वारा कृत्रिम रबर के निर्माण का प्रयास।

१९२९ थॉमस का बिजली बल्ब की पचासवीं वर्षगांठ के उत्सव समारोह में भाग लेना। उसकी मेनलो पार्क प्रयोगशाला को एक संग्रहालय में परवर्तित किया गया।

१९३१ थॉमस का अस्वस्थ होना, और १८ अक्टूबर को उसका देहांत। उसकी आयु तब ८४ वर्ष की थी। उसके सम्मान में अमेरिका भर में लोगों ने अपने घरों की बत्तियां बुझा कर उसे श्रद्धांजलि दी।